Pol. Culture Approach

प्र०- राजनीतिक सांस्कृतिक अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा तुलनात्मक रा० में इसकी उपयोगिता बतलाइए।

तुलनात्मक रा० के विश्लेषकों का यह मत है कि केवल व्यवस्था विश्लेषण के द्वारा तुलनात्मक रा० का अध्ययन संभव नहीं है। राजनीतिक संस्कृति भी एक महत्वपूर्ण उपागम है। हर विशिष्ट समुदाय में एक सीमित और सुस्पष्ट रा० संस्कृति होती है। जो राजनीतिक प्रक्रिया को अर्थ, दोषों का स्वरूप प्रदान करती है।

आज अनेक विद्वान यह मानने लगे हैं कि विश्व में जिस वस्तु की आवश्यकता है, वह यह है कि हम तुलनात्मक विश्लेषणों को सुदृढ़ बनाये तथा सामान्य सिद्धों तथा परम्पराओं को पूर्ण रूप से विकसित करें। आमण्ड ने कहा है कि "हर रा० व्यवस्था रा० क्रियाओं के प्रति अभिमुखीकरण के विशिष्ट प्रतिमान में अंतः स्थापित करती है।

अनेक विद्वानों ने रा० संस्कृति को अपने-अपने ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया है। आमण्ड तथा पावेल ने कहा है कि रा० संस्कृति रा० व्यवस्था के सदस्यों की रा० के प्रति वैयक्तिक तथा अभिमुखीकरणों का प्रतिमान है। ल्यूसियन पाई के अनुसार "राजनीतिक संस्कृति अभिवृत्तियों, विश्वासों तथा मनोभावों का ऐसा पुंज है जो रा० क्रिया को अर्थ एवं व्यवस्था प्रदान करता है। तथा रा० व्यवस्था में व्यवस्था को नियमित करने वाली अंतः निहित पूर्वधारणाओं तथा नियमों को बनाता है।

उपर्युक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि रा० व्यवस्था और रा० प्रश्नों से सम्बन्धित सामाजिक दृष्टिकोणों, विश्वासों और मूल्यों से राजनीतिक संस्कृति का निर्माण होता है। दूसरे शब्दों में रा० संस्कृति राजनीति के प्रति लोगों की धारणाएं हैं।

राजनीतिक संस्कृति के आधार :— रा० संस्कृति के तीन प्रमुख आधार (Bases of Pol. Culture) हैं।

(1) ऐतिहासिक आधार :— रा० संस्कृति की प्रकृति को विशेष रंग प्रदान करने वाले प्रमुख आधार रा० व्यवस्था का इतिहास है। ब्रिटेन में रा० निरंतरता वहां पुराने मूल्यों को नए दृष्टिकोणों में विलय होने की सहज प्रक्रिया से ही बनी रहती है। फ्रांस में इसके विपरीत 1789 की क्रान्ति ने तत्कालीन रा० संस्थानों को नष्ट कर नए मूल्यों तथा नयी मान्यताओं को जन्म दिया।

(2) भौगोलिक आधार :— भूगोल भी रा० संस्कृति का एक प्रमुख आधार रहा है। भौगोलिक बनावट के कारण ब्रिटेन में बाहर के लोग अधिक नहीं आ पाये। यही कारण है कि वहां जातीय संघर्ष की समस्या नहीं है। जबकी भारत में भौगोलिक बनावट के कारण यहां अधिक विदेशियों को आने में कोई कठिनाई नहीं हुई जिसके कारण यहां जातीय संघर्ष की समस्या अतः विकराल रूप में है।

(i) परिपक्व रा० संस्कृति :— परिपक्व राजनीतिक संस्कृति रा० सहभागी (Mature Pol. Culture) को माना जाता है। ब्रिटेन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड आदि देशों में पायी जाती है।

(ii) विकासशील रा० संस्कृति :— इस प्रकार की संस्कृति में जनता काफी संगठित रहती है, किन्तु अनौपचारिक संस्थाओं पर सैनिक दबाव का खतरा बना रहता है।

(iii) निम्न रा० संस्कृति :— इस प्रकार की संस्कृति इस्लाम, लैटिन अमेरिकी देशों में पायी जाती है। यहाँ जनता संगठित नहीं रहती, जनमत कमजोर रहता है और जनता सत्ताधारियों का विरोध करने में असमर्थ होती है।

रा० संस्कृति दृष्टिकोण रो० के लिये आवश्यक है इसका विश्लेषण ल्यूसियन पाई ने बड़े ही व्यापक रूप से अपनी पुस्तक ("Political Culture & Pol. Development") में किया है। वे इस बात पर बल देते हैं कि रा० आचरण की अपेक्षा रा० संस्कृति पर ध्यान देना चाहिए। रा० आचरण को निर्देशित करने वाली मान्यताएं केवल आचरण रखने वाली मान्यताएँ नहीं बल्कि उनकी अपनी एक व्यवस्था है जो पारस्परिक संबंधों को मजबूत बनाती है। यह सही है कि रा० सं० व्यक्तियों को रा० आचरण का निर्माण करने, निर्देश देती है। रा० सं० उनको सामूहिक सत्ता के ऐसे ढाँचों व संतुलनों को एक ऐसी व्यवस्थित संरचना प्रदान करती है जो संस्थाओं और संगठनों के कार्यों के संबंध में सामंजस्य स्थापित करती है। सिडनी वर्बा ने भी इसके महत्व को स्वीकार करते हुए कहा है कि आधुनिक राजनीतिक उलझनों को समझना कठिन है। इसका अध्ययन रा० सं० के दृष्टिकोण के आधार पर किया जा सकता है।

तुलनात्मक रा० में रा० सं० की उपयोगिता विश्लेषण का अर्थ यह नहीं है कि इस दृष्टिकोण के द्वारा रा० व्यवस्थाओं के विषय में हर प्रकार का व्याख्या देना संभव है। किन्तु इतना अवश्य कहा जा सकता है कि रा० व्यवस्था की महत्वपूर्ण बातों की पहचान अवश्य इसके द्वारा संभव हुआ है।